2026 Volume: 02 Issue: 03 www.ijrpa.com ISSN 2456-9995 Review Article

International Journal Research Publication Analysis

Page: 01-14

शैक्षिक दृष्टिकोण से राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020: एक अध्ययन

***Dr. Sangeeta Devi**

Assistant Professor Bsm B.ed College Roorkee.

Article Received: 29 January 2026
Article Revised: 18 February 2026
Published on: 11 March 2026

***Corresponding Author: Dr. Sangeeta Devi**
Assistant Professor Bsm B.ed College Roorkee.

DOI: https://doi-doi.org/101555/ijrpa.3394

सारांश

यह अध्ययन राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (NEP 2020) का संक्षिप्त विश्लेषण प्रस्तुत करता है, जिसका उद्देश्य भारतीय शिक्षा व्यवस्था को 21वीं सदी की आवश्यकताओं के अनुरूप आधुनिक, समावेशी और गुणवत्तापूर्ण बनाना है। NEP 2020 शिक्षा को केवल डिग्री-आधारित प्रणाली से आगे बढ़ाकर ज्ञान, कौशल, नैतिक मूल्यों, नवाचार तथा रोजगारपरकता से जोड़ने पर बल देती है। इस नीति की प्रमुख विशेषता 5+3+3+4 की नई शैक्षिक संरचना है, जो बाल विकास के चरणों के अनुसार सीखने की प्रक्रिया को अधिक प्रभावी बनाने का प्रयास करती है।

नीति में प्रारंभिक बाल्यावस्था शिक्षा (Early Childhood Care and Education) को औपचारिक शिक्षा का आधार बनाते हुए भाषा, गणित और जीवन कौशल पर विशेष ध्यान दिया गया है। साथ ही, मातृभाषा/क्षेत्रीय भाषा में शिक्षा को प्राथमिकता देकर सीखने को सहज और स्वाभाविक बनाने की अवधारणा प्रस्तुत की गई है। NEP 2020 बहुविषयक शिक्षा, व्यावसायिक एवं कौशल आधारित प्रशिक्षण, तथा डिजिटल तकनीक के उपयोग को बढ़ावा देती है, जिससे छात्रों की रचनात्मकता, आलोचनात्मक सोच और व्यावहारिक दक्षता का विकास संभव हो सके।

उच्च शिक्षा में बहु-प्रवेश और बहु-निर्गमन प्रणाली, क्रेडिट ट्रांसफर तथा अनुसंधान को प्रोत्साहित करने हेतु राष्ट्रीय शोध प्रतिष्ठान (NRF) जैसी पहलें शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने की दिशा में महत्वपूर्ण हैं। इसके अतिरिक्त, नीति शिक्षा में समानता और समावेशन पर बल देकर वंचित वर्गों, ग्रामीण क्षेत्रों और विशेष आवश्यकता वाले छात्रों के लिए अवसर बढ़ाने का प्रयास करती है।

हालाँकि, नीति के सफल क्रियान्वयन में वित्तीय संसाधनों की उपलब्धता, डिजिटल असमानता, संस्थागत क्षमता तथा शिक्षक प्रशिक्षण जैसी चुनौतियाँ भी विद्यमान हैं। निष्कर्षतः, NEP 2020 भारत को ज्ञान-आधारित समाज बनाने की दिशा में एक सशक्त आधार प्रदान करती है, बशर्ते इसका क्रियान्वयन योजनाबद्ध, चरणबद्ध और प्रभावी रूप से किया जाए।

मुख्य शब्दः- राष्ट्रीय शिक्षा नीति, शैक्षिक संरचना, प्रारंभिक बाल्यावस्था शिक्षा, बहुविषयक शिक्षा, व्यावसायिक शिक्षा, डिजिटल शिक्षण, शिक्षक प्रशिक्षण, समानता एवं समावेशन, अनुसंधान एवं नवाचार, कौशल विकास।

1. प्रस्तावना

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (NEP 2020) भारत सरकार द्वारा शिक्षा व्यवस्था में व्यापक सुधार के उद्देश्य से लागू की गई एक ऐतिहासिक नीति है। यह नीति 34 वर्षों बाद बनी है, जिसने 1986 की राष्ट्रीय शिक्षा नीति का स्थान लिया। इसका मुख्य उद्देश्य शिक्षा को समावेशी, गुणवत्तापूर्ण, लचीली और रोजगारोन्मुख बनाना है, ताकि 21वीं सदी की आवश्यकताओं के अनुरूप मानव संसाधन का विकास हो सके।

इस नीति की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता नई शैक्षिक संरचना 5+3+3+4 है, जो बच्चों के संज्ञानात्मक विकास के विभिन्न चरणों पर आधारित है। इसमें प्रारंभिक बाल्यावस्था शिक्षा को औपचारिक शिक्षा का हिस्सा बनाया गया है। साथ ही, मातृभाषा या क्षेत्रीय भाषा में शिक्षा देने पर विशेष बल दिया गया है, जिससे बच्चों की समझ और सीखने की क्षमता में वृद्धि हो सके।

NEP 2020 बहुविषयक शिक्षा को प्रोत्साहित करती है। अब विद्यार्थी विज्ञान, कला और वाणिज्य जैसे विषयों की सीमाओं से मुक्त होकर अपनी रुचि के अनुसार विषय चुन सकते हैं। उच्च शिक्षा में लचीलापन, बहु-प्रवेश और बहु-निर्गमन प्रणाली को अपनाया गया है, जिससे विद्यार्थियों को शिक्षा बीच में छोड़ने की स्थिति में भी प्रमाण-पत्र प्राप्त हो सके।

इस नीति में शिक्षक प्रशिक्षण, डिजिटल शिक्षा, व्यावसायिक शिक्षा और शोध एवं नवाचार पर विशेष ध्यान दिया गया है। राष्ट्रीय शोध प्रतिष्ठान (National Research Foundation) की स्थापना का प्रस्ताव अनुसंधान संस्कृति को मजबूत करने के लिए किया गया है। साथ ही, मूल्यांकन प्रणाली में सुधार कर रटने की प्रवृत्ति को कम करने और समझ-आधारित सीख को बढ़ावा देने का प्रयास किया गया है।

निष्कर्षतः, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 भारतीय शिक्षा प्रणाली को आधुनिक, समावेशी और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने की दिशा में एक सशक्त कदम है। इसके सफल क्रियान्वयन से भारत एक ज्ञान-आधारित समाज के रूप में उभर सकता है।

2. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के 27 अध्याय

1. प्रस्तावना
2. लक्ष्य और दृष्टिकोण
3. समग्र शिक्षा
4. प्रारंभिक शिक्षा

5. माध्यमिक शिक्षा
6. शिक्षक प्रशिक्षण
7. मूल्यांकन और परीक्षा
8. डिजिटल शिक्षा
9. व्यावसायिक शिक्षा
10. उच्च शिक्षा
11. शोध और नवाचार
12. समावेशन शिक्षा
13. लैंगिक समानता
14. विशेष आवश्यकता वाले छात्र
15. शिक्षक और प्रशासन सुधार
16. स्वायत्तता और संस्थागत सुधार
17. वित्त और शासन
18. पाठ्यक्रम और मूल्यांकन
19. शिक्षक और प्रशिक्षण
20. शिक्षा का वित्तपोषण
21. शिक्षा में समानता और समावेशन
22. शिक्षा नीति और प्रशासन
23. तकनीकी और नवाचार
24. बहुभाषिकता
25. समाज में शिक्षा की भूमिका
26. वैश्विक संदर्भ में शिक्षा
27. भविष्य की शिक्षा नीति

3. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020: प्रमुख बिंदु

1. अवधारणा – NEP 2020 का निर्माण भारतीय शिक्षा प्रणाली में व्यापक परिवर्तन हेतु किया गया।
2. लक्ष्य और दृष्टिकोण – नीति के उद्देश्य और भविष्य की शिक्षा की दिशा का निर्धारण।
3. समग्र शिक्षा – शैक्षिक, सामाजिक, भावनात्मक विकास पर जोर।
4. प्रारंभिक शिक्षा – 3 से 6 वर्ष के बच्चों के लिए आधारभूत शिक्षा।

5. शिक्षा में लचीलापन – पाठ्यक्रम और विषय चयन में स्वतंत्रता।
6. शिक्षा का उद्देश्य – व्यावहारिक, नैतिक और बौद्धिक विकास।
7. नई शिक्षा संरचना (5+3+3+4)

★ पहला चरण (3 वर्ष): 3–6 वर्ष
★ दूसरा चरण (3 वर्ष): 6–9 वर्ष
★ तीसरा चरण (3 वर्ष): 9–12 वर्ष
★ चौथा चरण (4 वर्ष): 12–18 वर्ष

4. माध्यमिक व अन्य सुधार

1. माध्यमिक शिक्षा – बहुविषयक अध्ययन को बढ़ावा।
2. शिक्षा में समानता – सभी वर्गों को समान अवसर।
3. व्यावसायिक शिक्षा – कौशल आधारित शिक्षा।
4. डिजिटल शिक्षा – तकनीक के माध्यम से शिक्षा का विस्तार।
5. उच्च शिक्षा प्रणाली – बहुविषयक विश्वविद्यालयों की स्थापना।
6. शोध व नवाचार – अनुसंधान को प्रोत्साहन।

5. प्रशासन एवं समावेशन

1. शासन का विकेंद्रीकरण – शिक्षा के स्तर पर निर्णय।
2. शिक्षक सशक्तिकरण – प्रशिक्षण और योग्यता सुधार।
3. समावेशी शिक्षा – दिव्यांग एवं वंचित वर्गों पर ध्यान।
4. सामाजिक न्याय – शिक्षा में समानता सुनिश्चित करना।
5. वैश्विक दृष्टिकोण – अंतरराष्ट्रीय स्तर की शिक्षा।

6. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के कार्य

1. प्रारंभिक शिक्षा का विकास

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में प्रारंभिक शिक्षा को सबसे अधिक महत्व दिया गया है। इसके अंतर्गत 3 से 6 वर्ष के बच्चों की शिक्षा को औपचारिक शिक्षा प्रणाली से जोड़ा गया है। नई शैक्षिक संरचना 5+3+3+4 के माध्यम से बाल्यावस्था में खेल, गतिविधि और अनुभव आधारित सीख पर बल दिया गया है। इस चरण में बच्चों के शारीरिक, मानसिक, सामाजिक और भावनात्मक विकास पर विशेष ध्यान दिया जाता

है। आंगनवाड़ी और प्री-स्कूल शिक्षा को मजबूत बनाकर मजबूत नींव तैयार करने का लक्ष्य रखा गया है, जिससे आगे की शिक्षा अधिक प्रभावी हो सके।

2. व्यावसायिक शिक्षा का प्रसार

NEP 2020 का एक प्रमुख कार्य व्यावसायिक एवं कौशल आधारित शिक्षा को बढ़ावा देना है। इस नीति के अंतर्गत विद्यालय स्तर से ही छात्रों को विभिन्न व्यावसायिक कौशलों से परिचित कराया जाएगा। कक्षा 6 से ही इंटर्नशिप, स्थानीय कारीगरी और तकनीकी प्रशिक्षण की व्यवस्था की गई है। इसका उद्देश्य छात्रों को केवल डिग्री धारक नहीं, बल्कि कुशल एवं आत्मनिर्भर बनाना है। व्यावसायिक शिक्षा से बेरोजगारी कम होगी और छात्रों में उद्यमशीलता का विकास होगा, जिससे वे रोजगार सृजन में भी योगदान दे सकेंगे।

3. शिक्षक प्रशिक्षण और विकास

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में शिक्षक को शिक्षा व्यवस्था की आधारशिला माना गया है। इस नीति के अंतर्गत शिक्षकों के लिए नियमित प्रशिक्षण, पेशेवर विकास और योग्यता सुधार पर विशेष बल दिया गया है। चार वर्षीय एकीकृत शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम (ITEP) को लागू करने का प्रस्ताव किया गया है। शिक्षकों को आधुनिक शिक्षण विधियों, डिजिटल तकनीक और नवाचारों से जोड़ा जाएगा। निरंतर मूल्यांकन और प्रशिक्षण से शिक्षकों की गुणवत्ता में सुधार होगा, जिससे शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया अधिक प्रभावी और छात्र-केंद्रित बन सकेगी।

4. उच्च शिक्षा का सुधार

NEP 2020 के अंतर्गत उच्च शिक्षा प्रणाली में व्यापक सुधार किए गए हैं। बहुविषयक विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों की स्थापना पर जोर दिया गया है। बहु-प्रवेश और बहु-निर्गमन प्रणाली के माध्यम से छात्रों को लचीलापन प्रदान किया गया है। उच्च शिक्षा में अनुसंधान, नवाचार और वैश्विक स्तर की गुणवत्ता सुनिश्चित करने का लक्ष्य रखा गया है। राष्ट्रीय शोध प्रतिष्ठान (NRF) की स्थापना से शोध संस्कृति को बढ़ावा मिलेगा। इन सुधारों से उच्च शिक्षा अधिक समावेशी, लचीली और रोजगारोन्मुख बनेगी।

5. डिजिटल शिक्षा का विस्तार

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में डिजिटल शिक्षा को शिक्षा के भविष्य के रूप में देखा गया है। ऑनलाइन शिक्षण, ई-लर्निंग प्लेटफॉर्म, वर्चुअल लैब और डिजिटल संसाधनों के उपयोग पर बल दिया गया है। डिजिटल शिक्षा से दूर-दराज और ग्रामीण क्षेत्रों तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पहुँचाने में सहायता मिलेगी।

DIKSHA, SWAYAM जैसे प्लेटफॉर्म को सशक्त बनाया गया है। तकनीक आधारित शिक्षा से शिक्षण प्रक्रिया अधिक सरल, सुलभ और प्रभावी बनेगी तथा शिक्षा में समान अवसर सुनिश्चित किए जा सकेंगे।

6. बहुविषयक शिक्षा प्रणाली

NEP 2020 में बहुविषयक शिक्षा प्रणाली को विशेष महत्व दिया गया है। इस प्रणाली के अंतर्गत विज्ञान, कला और वाणिज्य की पारंपरिक सीमाओं को समाप्त किया गया है। छात्र अपनी रुचि और क्षमता के अनुसार विभिन्न विषयों का चयन कर सकते हैं। इससे रचनात्मकता, आलोचनात्मक सोच और नवाचार को बढ़ावा मिलेगा। बहुविषयक शिक्षा छात्रों को व्यापक दृष्टिकोण प्रदान करती है और उन्हें वास्तविक जीवन की समस्याओं का समाधान करने में सक्षम बनाती है। यह प्रणाली शिक्षा को अधिक लचीली और उपयोगी बनाती है।

7. नीति की विशेषताएँ

1. नई शैक्षिक संरचना 5+3+3+4 का प्रावधान
2. प्रारंभिक बाल्यावस्था शिक्षा को औपचारिक शिक्षा में शामिल करना
3. मातृभाषा/क्षेत्रीय भाषा में शिक्षा पर बल
4. रटने की बजाय समझ-आधारित सीख पर जोर
5. बहुविषयक शिक्षा प्रणाली की शुरुआत
6. विद्यालय स्तर से व्यावसायिक एवं कौशल शिक्षा
7. डिजिटल शिक्षा और ई-लर्निंग को बढ़ावा
8. परीक्षा एवं मूल्यांकन प्रणाली में सुधार
9. उच्च शिक्षा में बहु-प्रवेश और बहु-निर्गमन व्यवस्था
10. शिक्षक प्रशिक्षण और व्यावसायिक विकास पर विशेष ध्यान
11. अनुसंधान और नवाचार को प्रोत्साहन (NRF की स्थापना)
12. समावेशी शिक्षा और समान अवसर पर बल
13. मूल्य-आधारित और नैतिक शिक्षा का विकास
14. शिक्षा को रोजगारोन्मुख बनाने पर जोर
15. शिक्षा प्रणाली को लचीली, आधुनिक और वैश्विक स्तर की बनाना

8. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की विशेषताएँ (Diagram)

1. बहुभाषिकता

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में बहुभाषिकता को शिक्षा की एक महत्वपूर्ण विशेषता के रूप में स्वीकार किया गया है। इस नीति के अनुसार प्रारंभिक कक्षाओं में मातृभाषा या क्षेत्रीय भाषा में शिक्षा देने पर बल दिया गया है, जिससे बच्चों की समझ, अभिव्यक्ति और सीखने की क्षमता में वृद्धि हो सके। तीन-भाषा सूत्र को लचीले रूप में अपनाने की सिफारिश की गई है। बहुभाषिक शिक्षा से सांस्कृतिक संरक्षण के साथ-साथ भाषाई विविधता का सम्मान होता है और विद्यार्थियों में संज्ञानात्मक विकास भी बेहतर होता है।

2. डिजिटल शिक्षा

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में डिजिटल शिक्षा को आधुनिक शिक्षा प्रणाली की अनिवार्य आवश्यकता माना गया है। ऑनलाइन शिक्षा, ई-लर्निंग प्लेटफॉर्म, वर्चुअल कक्षाएँ और डिजिटल संसाधनों के उपयोग पर विशेष जोर दिया गया है। DIKSHA, SWAYAM जैसे डिजिटल मंचों के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को सभी तक पहुँचाने का प्रयास किया गया है। डिजिटल शिक्षा से दूरस्थ और ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को भी समान अवसर मिलते हैं। तकनीक के प्रयोग से शिक्षण प्रक्रिया अधिक सरल, सुलभ और प्रभावी बनती है।

3. व्यावसायिक शिक्षा

NEP 2020 की एक प्रमुख विशेषता व्यावसायिक एवं कौशल आधारित शिक्षा का विस्तार है। इस नीति के अंतर्गत कक्षा 6 से ही छात्रों को व्यावसायिक प्रशिक्षण और इंटर्नशिप के अवसर प्रदान किए गए हैं। स्थानीय उद्योगों, कारीगरी और तकनीकी कौशल को शिक्षा से जोड़ा गया है। इसका उद्देश्य छात्रों को आत्मनिर्भर बनाना और रोजगार के अवसर बढ़ाना है। व्यावसायिक शिक्षा से छात्रों में व्यावहारिक ज्ञान, उद्यमशीलता और कार्यकुशलता का विकास होता है, जिससे बेरोजगारी की समस्या को कम किया जा सकता है।

4. उच्च शिक्षा में सुधार

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में उच्च शिक्षा प्रणाली में व्यापक सुधारों का प्रावधान किया गया है। बहुविषयक विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों की स्थापना पर जोर दिया गया है। बहु-प्रवेश और बहु-निर्गमन प्रणाली के माध्यम से छात्रों को लचीलापन प्रदान किया गया है। उच्च शिक्षा में गुणवत्ता, शोध और वैश्विक मानकों को अपनाने का लक्ष्य रखा गया है। राष्ट्रीय शोध प्रतिष्ठान (NRF) की स्थापना से अनुसंधान संस्कृति को मजबूती मिलेगी और भारत उच्च शिक्षा के क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बन सकेगा।

5. शिक्षा में समानता

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 शिक्षा में समानता और समावेशन पर विशेष बल देती है। इस नीति का उद्देश्य सामाजिक, आर्थिक और लैंगिक असमानताओं को कम करना है। वंचित वर्गों, ग्रामीण क्षेत्रों, दिव्यांग छात्रों और विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए विशेष प्रावधान किए गए हैं। छात्रवृत्ति, डिजिटल संसाधन और सहायता कार्यक्रमों के माध्यम से सभी को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने का प्रयास किया गया है। शिक्षा में समानता से समाज में सामाजिक न्याय और समरसता को बढ़ावा मिलता है।

6. नवाचार और अनुसंधान

NEP 2020 में नवाचार और अनुसंधान को शिक्षा की रीढ़ माना गया है। छात्रों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण, रचनात्मकता और आलोचनात्मक सोच विकसित करने पर बल दिया गया है। राष्ट्रीय शोध प्रतिष्ठान (National Research Foundation) की स्थापना का उद्देश्य उच्च गुणवत्ता वाले अनुसंधान को प्रोत्साहन देना है। विद्यालय और उच्च शिक्षा स्तर पर अनुसंधान आधारित सीख को बढ़ावा दिया गया है। इससे ज्ञान सृजन, तकनीकी विकास और वैश्विक प्रतिस्पर्धा में भारत की स्थिति सुदृढ़ होगी।

7. मूल्य आधारित शिक्षा

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में मूल्य आधारित शिक्षा को विशेष महत्व दिया गया है। शिक्षा के माध्यम से नैतिक मूल्यों, मानवीय संवेदनाओं, सामाजिक उत्तरदायित्व और राष्ट्रीय चेतना का विकास करने का लक्ष्य रखा गया है। पाठ्यक्रम में भारतीय संस्कृति, संविधानिक मूल्य, सहिष्णुता और पर्यावरण संरक्षण जैसे विषयों को शामिल किया गया है। मूल्य आधारित शिक्षा से छात्रों का सर्वांगीण विकास होता है और वे जिम्मेदार, संवेदनशील एवं आदर्श नागरिक बनते हैं।

9. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के उद्देश्य

1. सभी के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा
2. शिक्षा को रोजगारोन्मुख बनाना
3. सामाजिक और आर्थिक विकास
4. नैतिक मूल्यों का विकास
5. समावेशी और समान शिक्षा प्रणाली
6. डिजिटल और तकनीकी विकास
7. अनुसंधान संस्कृति को बढ़ावा
8. वैश्विक प्रतिस्पर्धा के योग्य बनाना
9. नवाचार और रचनात्मकता

10. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की संभावनाएँ

1. शिक्षा प्रणाली में लचीलापन

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की एक प्रमुख संभावना शिक्षा प्रणाली में लचीलापन लाना है। बहु-प्रवेश और बहु-निर्गमन व्यवस्था से विद्यार्थियों को अपनी परिस्थितियों के अनुसार पढ़ाई जारी रखने या रोकने की स्वतंत्रता मिलती है। विषय चयन में लचीलापन देकर विद्यार्थियों की रुचि और क्षमता के अनुसार शिक्षा संभव होती है। क्रेडिट ट्रांसफर और अकादमिक बैंक ऑफ क्रेडिट (ABC) जैसी व्यवस्थाएँ सीखने को निरंतर और अनुकूल बनाती हैं। इससे ड्रॉप-आउट कम होंगे और शिक्षा अधिक समावेशी बनेगी।

2. छात्र केंद्रित शिक्षा

NEP 2020 छात्र-केंद्रित शिक्षा को बढ़ावा देती है, जहाँ शिक्षा का केंद्र शिक्षक नहीं बल्कि विद्यार्थी होता है। इस प्रणाली में सीखने की गति, रुचि और क्षमता के अनुसार शिक्षण विधियाँ अपनाई जाती हैं। परियोजना-आधारित, अनुभवात्मक और गतिविधि-आधारित सीख से विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी बढ़ती है। मूल्यांकन प्रणाली में सुधार कर समझ, रचनात्मकता और आलोचनात्मक सोच पर जोर दिया गया है। इससे विद्यार्थियों का आत्मविश्वास बढ़ता है और उनका सर्वांगीण विकास संभव होता है।

3. डिजिटल प्लेटफॉर्म का उपयोग

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में डिजिटल प्लेटफॉर्म के व्यापक उपयोग की बड़ी संभावना है। ऑनलाइन कक्षाएँ, ई-लर्निंग सामग्री, वर्चुअल लैब और डिजिटल पुस्तकालयों के माध्यम से शिक्षा को अधिक सुलभ बनाया जा सकता है। DIKSHA, SWAYAM, NPTEL जैसे प्लेटफॉर्म गुणवत्तापूर्ण सामग्री प्रदान करते हैं। डिजिटल प्लेटफॉर्म से दूरस्थ और ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को भी समान शैक्षिक अवसर मिलते हैं। तकनीक आधारित शिक्षा सीखने को लचीला, सस्ता और समयबद्ध बनाती है।

4. कौशल आधारित शिक्षा

NEP 2020 कौशल आधारित शिक्षा को बढ़ावा देकर रोजगार की संभावनाएँ बढ़ाती है। विद्यालय और उच्च शिक्षा स्तर पर व्यावसायिक, तकनीकी और जीवन कौशलों को पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया गया है। इंटर्नशिप, अप्रेंटिसशिप और व्यावहारिक प्रशिक्षण से विद्यार्थी वास्तविक कार्य-अनुभव प्राप्त करते हैं। इससे आत्मनिर्भरता, उद्यमशीलता और कार्यकुशलता विकसित होती है। कौशल आधारित शिक्षा से शिक्षा और रोजगार के बीच की खाई कम होती है, जिससे आर्थिक विकास को गति मिलती है।

5. बहुविषयक अध्ययन

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में बहुविषयक अध्ययन की बड़ी संभावना है। इस प्रणाली के अंतर्गत विद्यार्थी विज्ञान, कला, वाणिज्य और तकनीकी विषयों का संयोजन कर सकते हैं। इससे संकीर्ण विषय-सीमाएँ

टूटती हैं और व्यापक दृष्टिकोण विकसित होता है। बहुविषयक अध्ययन से रचनात्मकता, नवाचार और समस्या-समाधान क्षमता बढ़ती है। वास्तविक जीवन की जटिल समस्याओं को समझने और हल करने में यह प्रणाली सहायक सिद्ध होती है, जिससे विद्यार्थी भविष्य के लिए बेहतर रूप से तैयार होते हैं।

11. मूल्यांकन

गुण:-

1. शिक्षा में समानता

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का एक प्रमुख गुण शिक्षा में समानता को बढ़ावा देना है। यह नीति सामाजिक, आर्थिक, लैंगिक और भौगोलिक असमानताओं को कम करने का प्रयास करती है। वंचित वर्गों, ग्रामीण क्षेत्रों, दिव्यांग छात्रों और विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए विशेष प्रावधान किए गए हैं। छात्रवृत्ति, डिजिटल संसाधन और सहायता योजनाओं के माध्यम से सभी को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा गया है। शिक्षा में समानता से सामाजिक न्याय, समावेशन और राष्ट्रीय एकता को मजबूती मिलती है।

2. बहुविषयक दृष्टिकोण

NEP 2020 का एक महत्वपूर्ण गुण बहुविषयक दृष्टिकोण को अपनाना है। इस नीति में विज्ञान, कला और वाणिज्य की पारंपरिक सीमाओं को समाप्त किया गया है। विद्यार्थी अपनी रुचि और क्षमता के अनुसार विभिन्न विषयों का चयन कर सकते हैं। इससे रचनात्मकता, आलोचनात्मक सोच और समस्या-समाधान क्षमता का विकास होता है। बहुविषयक दृष्टिकोण छात्रों को व्यापक ज्ञान प्रदान करता है और उन्हें वास्तविक जीवन की जटिल समस्याओं से निपटने के लिए सक्षम बनाता है।

3. तकनीकी विकास

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में तकनीकी विकास को शिक्षा का महत्वपूर्ण आधार माना गया है। डिजिटल शिक्षा, ऑनलाइन कक्षाएँ, ई-लर्निंग प्लेटफॉर्म और वर्चुअल लैब के माध्यम से शिक्षण प्रक्रिया को आधुनिक बनाया गया है। DIKSHA, SWAYAM और NPTEL जैसे प्लेटफॉर्म गुणवत्तापूर्ण सामग्री उपलब्ध कराते हैं। तकनीक के प्रयोग से शिक्षा अधिक सुलभ, लचीली और प्रभावी बनती है। इससे दूरस्थ और ग्रामीण क्षेत्रों तक भी शिक्षा पहुँच पाती है, जो एक बड़ा सकारात्मक पक्ष है।

4. शोध को बढ़ावा

NEP 2020 का एक प्रमुख गुण अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देना है। राष्ट्रीय शोध प्रतिष्ठान (National Research Foundation) की स्थापना का उद्देश्य उच्च गुणवत्ता वाले शोध को प्रोत्साहित करना है। विद्यालय और उच्च शिक्षा स्तर पर अनुसंधान आधारित सीख को महत्व दिया गया है। इससे

छात्रों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण, रचनात्मकता और नवाचार की भावना विकसित होती है। शोध को बढ़ावा मिलने से ज्ञान सृजन, तकनीकी प्रगति और राष्ट्रीय विकास को नई दिशा मिलती है।

5. वैश्विक स्तर की शिक्षा

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का एक महत्वपूर्ण गुण शिक्षा को वैश्विक स्तर का बनाना है। अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप पाठ्यक्रम, शिक्षण विधियाँ और मूल्यांकन प्रणाली अपनाने पर बल दिया गया है। विदेशी विश्वविद्यालयों के साथ सहयोग, छात्र और शिक्षक आदान-प्रदान कार्यक्रमों की संभावनाएँ बढ़ाई गई हैं। इससे भारतीय शिक्षा प्रणाली की गुणवत्ता में सुधार होगा और विद्यार्थी वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार होंगे। यह नीति भारत को ज्ञान-आधारित वैश्विक शक्ति बनाने में सहायक है।

दोष:-

1. क्रियान्वयन में कठिनाई

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 एक व्यापक और महत्वाकांक्षी नीति है, परंतु इसके क्रियान्वयन में अनेक कठिनाइयाँ सामने आ सकती हैं। देश में शिक्षा का ढाँचा केंद्र और राज्यों के बीच विभाजित है, जिससे समान रूप से नीति लागू करना चुनौतीपूर्ण होता है। विद्यालयों और उच्च शिक्षण संस्थानों में आवश्यक संरचनात्मक परिवर्तन, पाठ्यक्रम सुधार और प्रशासनिक बदलाव में समय और समन्वय की आवश्यकता होती है। इसके अतिरिक्त, नीति के सभी प्रावधानों को एक साथ लागू करना व्यवहारिक रूप से कठिन हो सकता है, जिससे इसके अपेक्षित परिणाम देर से मिल सकते हैं।

2. संसाधनों की कमी

NEP 2020 के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए पर्याप्त वित्तीय, भौतिक और मानव संसाधनों की आवश्यकता होती है। अनेक विद्यालयों और महाविद्यालयों में आधारभूत संरचना, आधुनिक उपकरण, पुस्तकालय और प्रयोगशालाओं का अभाव है। शिक्षकों की कमी और सीमित बजट भी एक बड़ी समस्या है। नीति में शिक्षा पर सार्वजनिक व्यय बढ़ाने की बात कही गई है, परंतु वास्तविक स्तर पर संसाधनों की उपलब्धता अभी भी एक चुनौती बनी हुई है। संसाधनों की कमी के कारण नीति के कई सकारात्मक पहलुओं को पूरी तरह लागू करना कठिन हो सकता है।

3. ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल बाधाएँ

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में डिजिटल शिक्षा पर विशेष बल दिया गया है, लेकिन ग्रामीण और दूरदराज क्षेत्रों में डिजिटल सुविधाओं का अभाव एक प्रमुख दोष के रूप में सामने आता है। कई क्षेत्रों में इंटरनेट कनेक्टिविटी, बिजली आपूर्ति और डिजिटल उपकरणों की कमी है। आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के विद्यार्थी स्मार्टफोन, लैपटॉप या टैबलेट जैसी सुविधाएँ नहीं जुटा पाते। इससे डिजिटल शिक्षा का लाभ सभी तक समान रूप से नहीं पहुँच पाता और शहरी-ग्रामीण असमानता बढ़ने की आशंका रहती है।

4. शिक्षक प्रशिक्षण की चुनौती

NEP 2020 में शिक्षकों की भूमिका को अत्यंत महत्वपूर्ण माना गया है, परंतु सभी शिक्षकों को नई शिक्षण विधियों और तकनीकी कौशलों में प्रशिक्षित करना एक बड़ी चुनौती है। अनेक शिक्षक डिजिटल तकनीक, बहुविषयक शिक्षण और नवीन मूल्यांकन प्रणालियों से परिचित नहीं हैं। बड़े पैमाने पर प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए समय, संसाधन और विशेषज्ञता की आवश्यकता होती है। यदि शिक्षक पर्याप्त रूप से प्रशिक्षित नहीं होंगे, तो नीति के उद्देश्यों को प्राप्त करना कठिन हो जाएगा।

12. सुझाव :–

1. नीति के चरणबद्ध और व्यावहारिक क्रियान्वयन की व्यवस्था की जाए।
2. शिक्षा पर सरकारी व्यय बढ़ाकर 6% GDP तक किया जाए।
3. शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रमों को नियमित और प्रभावी बनाया जाए।
4. ग्रामीण और पिछड़े क्षेत्रों में आधारभूत शैक्षिक संरचना विकसित की जाए।
5. डिजिटल अवसंरचना (इंटरनेट, उपकरण) का व्यापक विस्तार किया जाए।
6. डिजिटल डिवाइड कम करने हेतु निःशुल्क/सस्ती तकनीकी सुविधाएँ उपलब्ध कराई जाएँ।
7. व्यावसायिक शिक्षा को स्थानीय उद्योगों से जोड़ा जाए।
8. पाठ्यक्रम को स्थानीय आवश्यकताओं और संस्कृति के अनुरूप बनाया जाए।
9. मातृभाषा में शिक्षा को प्रोत्साहन के साथ गुणवत्तापूर्ण सामग्री उपलब्ध कराई जाए।
10. मूल्यांकन प्रणाली को समझ और कौशल आधारित बनाया जाए।
11. अनुसंधान एवं नवाचार के लिए पर्याप्त वित्तीय सहायता दी जाए।
12. उच्च शिक्षा संस्थानों में स्वायत्तता के साथ जवाबदेही सुनिश्चित की जाए।
13. वंचित वर्गों के लिए छात्रवृत्ति और सहायता योजनाएँ मजबूत की जाएँ।
14. नीति के प्रभाव की निरंतर निगरानी और मूल्यांकन किया जाए।
15. केंद्र, राज्य और शैक्षिक संस्थानों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित किया जाए।

13. शिक्षा का माध्यम एवं तकनीक: –

1. प्रारंभिक स्तर पर मातृभाषा/क्षेत्रीय भाषा में शिक्षा पर विशेष बल
2. कक्षा 5 (या संभव हो तो 8) तक स्थानीय भाषा में शिक्षण की सिफारिश
3. भाषा को सीखने का माध्यम बनाने पर जोर, न कि बाधा
4. बहुभाषिकता को प्रोत्साहन और भाषाओं में लचीलापन
5. शिक्षण में डिजिटल तकनीक का समावेश

6. ऑनलाइन शिक्षा और ई-लर्निंग प्लेटफॉर्म (DIKSHA, SWAYAM) का उपयोग
7. वर्चुअल क्लास, डिजिटल कंटेंट और ई-पुस्तकों का विकास
8. तकनीक के माध्यम से दूरस्थ एवं ग्रामीण क्षेत्रों तक शिक्षा की पहुँच
9. ऑनलाइन और ऑफलाइन शिक्षा के संतुलित मिश्रण पर बल
10. तकनीक का उपयोग सीखने को सरल, सुलभ और प्रभावी बनाने के लिए

14. निष्कर्ष:-

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (NEP 2020) भारतीय शिक्षा प्रणाली में सुधार और आधुनिकता लाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण एवं दूरगामी कदम है। यह नीति शिक्षा को केवल डिग्री-केन्द्रित न रखकर ज्ञान, कौशल, नैतिकता और रोजगारपरकता से जोड़ने का प्रयास करती है। नई शैक्षिक संरचना 5+3+3+4 के माध्यम से बाल्यावस्था से लेकर माध्यमिक स्तर तक शिक्षा को विकासात्मक चरणों के अनुरूप बनाया गया है, जिससे बच्चों की सीखने की क्षमता और समझ में सुधार संभव है।

NEP 2020 की एक बड़ी उपलब्धि यह है कि इसमें समावेशी शिक्षा और शिक्षा में समानता पर विशेष बल दिया गया है। वंचित वर्गों, ग्रामीण क्षेत्रों, विशेष आवश्यकता वाले विद्यार्थियों तथा आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों के लिए अवसर बढ़ाने की योजना बनाई गई है। इसके साथ ही, बहुभाषिकता और मातृभाषा में शिक्षा को प्राथमिकता देकर बच्चों को सहज वातावरण में सीखने का अवसर देने की बात कही गई है।

यह नीति डिजिटल शिक्षा, व्यावसायिक एवं कौशल आधारित शिक्षा, और बहुविषयक अध्ययन को प्रोत्साहित करती है। इससे विद्यार्थियों में तकनीकी दक्षता, रचनात्मकता, आलोचनात्मक सोच और नवाचार की क्षमता विकसित हो सकती है। उच्च शिक्षा में बहु-प्रवेश एवं बहु-निर्गमन व्यवस्था, क्रेडिट ट्रांसफर जैसी सुविधाएँ विद्यार्थियों को लचीलापन प्रदान करती हैं। साथ ही, शोध और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय शोध प्रतिष्ठान जैसी पहल शिक्षा की गुणवत्ता को मजबूत कर सकती है।

हालाँकि, नीति के प्रभावी क्रियान्वयन में संसाधनों की उपलब्धता, शिक्षक प्रशिक्षण, और ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल सुविधाओं की कमी जैसी चुनौतियाँ भी हैं। इसलिए आवश्यक है कि सरकार, राज्य और शैक्षिक संस्थाएँ मिलकर पर्याप्त बजट, प्रशिक्षण और आधारभूत संरचना विकसित करें। निष्कर्षतः, यदि NEP 2020 का ईमानदारी और प्रभावी रूप से क्रियान्वयन किया जाए, तो यह भारत को एक ज्ञान-आधारित, आत्मनिर्भर और वैश्विक प्रतिस्पर्धी राष्ट्र बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

BIBLIOGRAPHY / संदर्भ सूची

11. भारत सरकार. (2020). राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020. नई दिल्ली: शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार।
12. Ministry of Education, Government of India. (2020). National Education Policy 2020. New Delhi.
13. कुमार, एन. (2021). भारतीय शिक्षा व्यवस्था और नई शिक्षा नीति. नई दिल्ली: रावत पब्लिकेशन।
14. शर्मा, आर.के. (2021). राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 : एक समालोचनात्मक अध्ययन. आगरा: अग्रवाल पब्लिकेशन।
15. सिंह, ए. (2022). Education Reforms in India: NEP 2020. New Delhi: Pearson Education.
16. तिवारी, पी. (2021). नई शिक्षा नीति और भारतीय समाज. वाराणसी: चौखंबा प्रकाशन।
17. UNESCO. (2020). Education Policy and Reform in India. Paris: UNESCO Publications.
18. NCERT. (2021). Implementation of National Education Policy 2020. New Delhi: NCERT.
19. जोशी, एम. (2022). शिक्षा में नवाचार और तकनीक. जयपुर: राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादमी।
20. Aggarwal, J.C. (2021). Education Policy and Planning in India. New Delhi: Vikas Publishing House.
21. Kumar, K. (2020). Quality of Education and NEP 2020. New Delhi: Orient Blackswan.
22. शिक्षा आयोग रिपोर्ट. (2021). NEP 2020: Opportunities and Challenges. नई दिल्ली।
23. सरकार, एस. (2022). Higher Education Reforms under NEP 2020. Kolkata: Academic Publishers.
24. विश्व बैंक. (2021). Transforming Education in India. Washington DC: World Bank Publications.
25. Patel, R. (2022). Skill Development and Vocational Education in India. New Delhi: Sage Publications.